PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ४

टीने और दूर बसे पर्वत

Author: Shikha Tripathi
Illustrator: Ogin Nayam
Translator: Poonam S. Kudesia

“मैंने अपने डर से आज़ादी पा ली थी, मुझे ना तो मानदंडों का डर था, ना ही समाज का।
मैं न तो असफलता से डरती थी, न ही मृत्यु से। मुझे अपनी ताक़त पर पूरा विश्वास था
और मैंने अपनी क़ुदरती प्रतिभा को जमकर माँजा। अपनी कमज़ोरियों को दूर किया
और सबसे ज़रूरी बात यह कि मैंने हमेशा अपनी सुनी”
—टीने मेना, पर्वतारोही।

आज का दिन टीने मेना के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है।
२५ साल की टीने, उत्तर पूर्वी भारत की पहली ऐसी महिला हैं
जिन्होंने एवरेस्ट की चढ़ाई की। माउंट एवरेस्ट दुनिया की
सबसे ऊँची चोटी है और इसकी ऊँचाई है ८,८४८ मीटर।
यानी अगर ६ फुट लंबे ५००० लोगों को एक के ऊपर एक
खड़ा किया जाये, उतना ऊँचा!

तो यह कहानी है टीने के संघर्ष की –
जिसे पहाड़ों पर चढ़ना बहुत पसंद है।

वूशू, वूशू!

अरुणाचल प्रदेश की मिशमी पहाड़ियों में रहने वाली टीने ने दूर पहाड़ों से आती यह अद्भुत आवाज़ सुनी और उस आवाज़ की तरफ़ खिंची चली गयी – यह आवाज़ सिर्फ़ उसको सुनाई देती थी।

टीने को चढ़ना पसंद था वह पेड़ों पर चढ़ती, जंगलों के बीच दौड़ भाग करती और नदी में मछलियाँ पकड़ती। वह बिल्कुल अपनी दादी नाया की तरह निडर और बहादुर थी। अगर कभी वो जंगल में कहीं गिर जाती तो उसके पिता नाबा, उससे कहते उठो और आगे बढ़ो।

टीने और उसकी छोटी बहन सोनी को जंगल से सेब, संतरे और जामुन खाना बहुत पसंद था। पूरे-पूरे दिन वो खुले आसमान के नीचे घास पर लेटकर नीले आकाश में मँडराते काले बादलों को देखती रहती।

टीने मुस्कुरा कर कहती वाह, जीना इसी का नाम है!

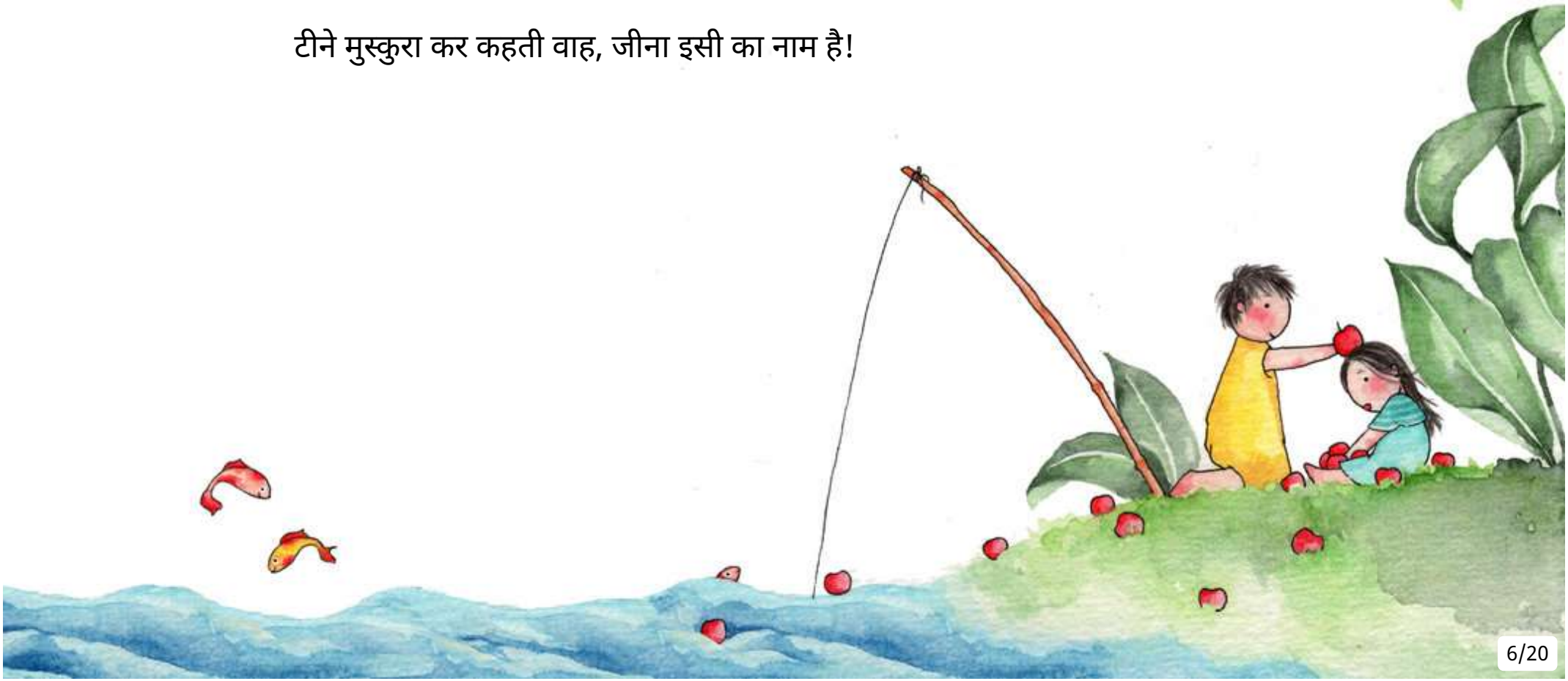

लेकिन एक दिन, टीने की जैसे दुनिया ही बदल गई। क्योंकि अब उसे स्कूल में पढ़ाई करनी थी और इचाली में कोई स्कूल नहीं था। इसलिए पूरा परिवार रोइंग में रहने लगा।

रोइंग में वूशू की साफ़ सुनाई देती आवाज़ बहुत ही कम सुनाई देती। उसे तो बस वापस उन्ही पहाड़ों में जाना था।

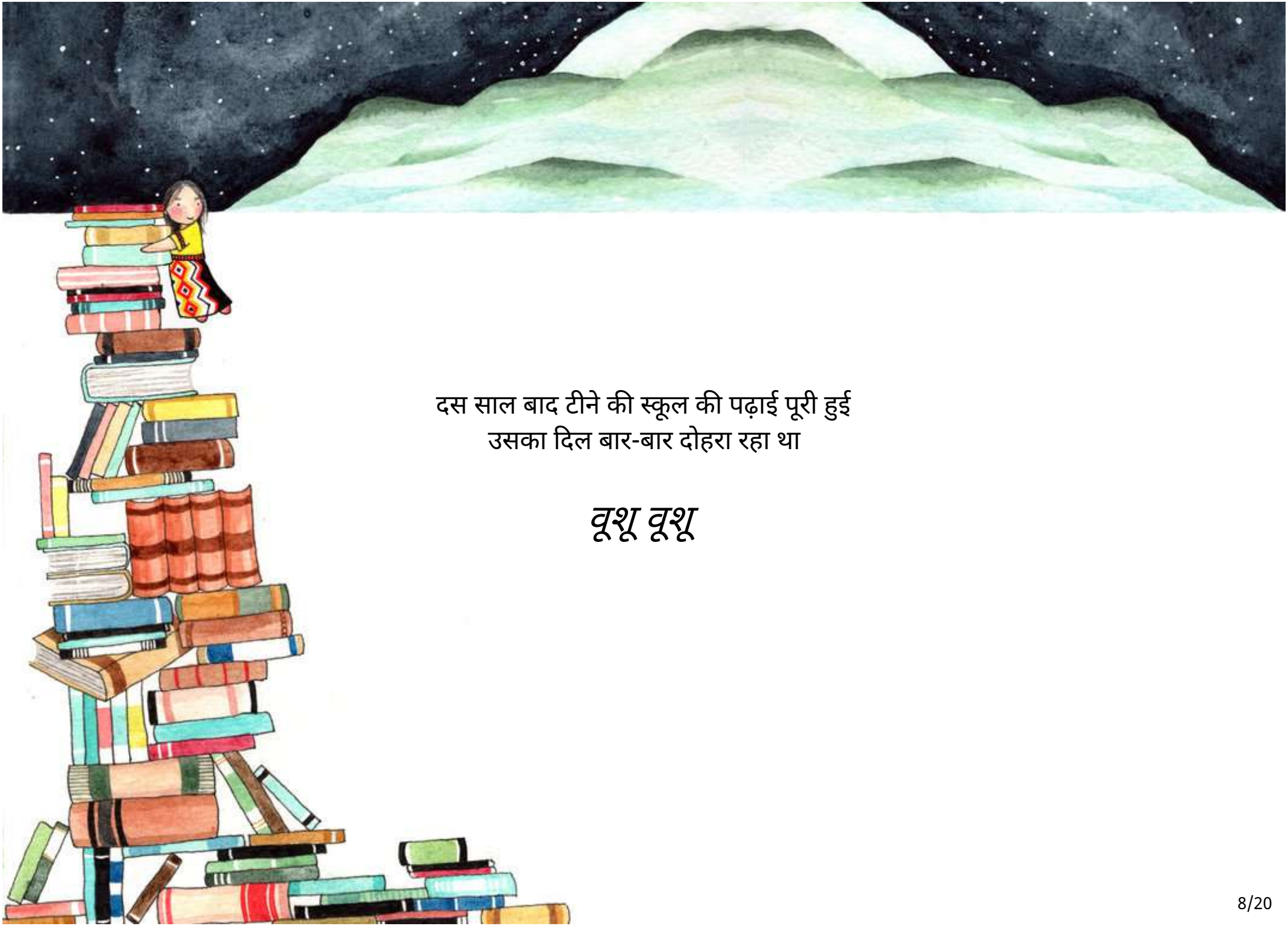

दस साल बाद टीने की स्कूल की पढ़ाई पूरी हुई
उसका दिल बार-बार दोहरा रहा था

वूशू वूशू

पहाड़ों के क़रीब होने के लिए, टीने ने अरुणाचल प्रदेश में होने जा रहे एक आर्मी अभियान दल में क़ुली के लिए आवेदन किया। वह ताक़तवर थी, और दूसरे क़ुलियों की तरह भारी सामान उठाकर कई दिनों तक पैदल चल सकती थी। लेकिन उसके सामने एक छोटी सी मुश्किल थी और वह यह कि औरतों को क़ुली का काम करने की इजाज़त नहीं थी।

लेकिन इससे क्या वो हार गयी? बिल्कुल नहीं। टीने ने लड़कों के कपड़े पहन कर काम शुरू कर दिया। हर दिन वह क़रीब २५ किलो वज़न उठाती लेकिन क़रीब एक हफ़्ते में सब लोग समझ गये कि वह लड़के के भेष में एक लड़की है!

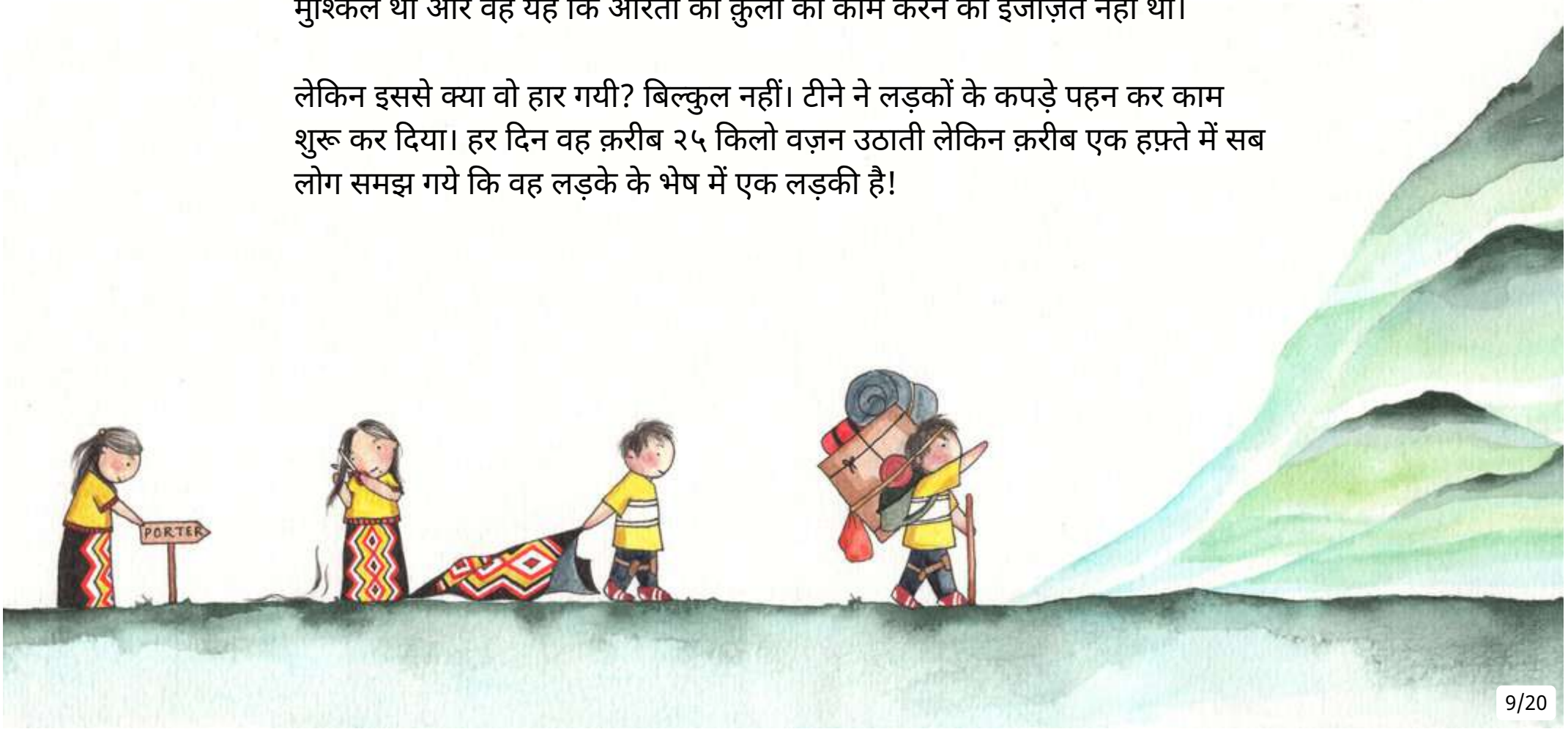

नियम तोड़ने के लिए टीने को बहुत डाँट पड़ी लेकिन उसने साबित कर दिया था कि वह लड़कों की तरह काम कर सकती थी। इसलिए उसे किसी तरह वहाँ काम करने की इजाज़त मिल गई। हालाँकि उसके इस क़दम से बाद में महिला क़ुलियों पर लगी पाबंदी हटने वाली थी।

टीने ने बहुत मेहनत से काम किया और एक दिन वो संयोजक (कोऑर्डिनेटर) बन गई। अब उसे पहाड़ी यात्राओं की पूरी योजनायें बनानी थीं। एक बार, जब वह एक ऐसे ही अभियान की योजना बना रही थी, तब उसकी मुलाकात डॉ रोमियो मेइटी से हुई, जिन्होंने कहा, “आपको देखकर मुझे लगता है कि आपके अंदर स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली पर्वतारोही की सभी ख़ूबियाँ हैं। अब बस आपको तकनीक सीखनी है।”

डॉ. मेइटी ने उसमें उम्मीद की किरण जगा दी थी। फिर जल्द ही उनके निर्देशन में टीने ने प्रशिक्षण शुरू कर दिया।

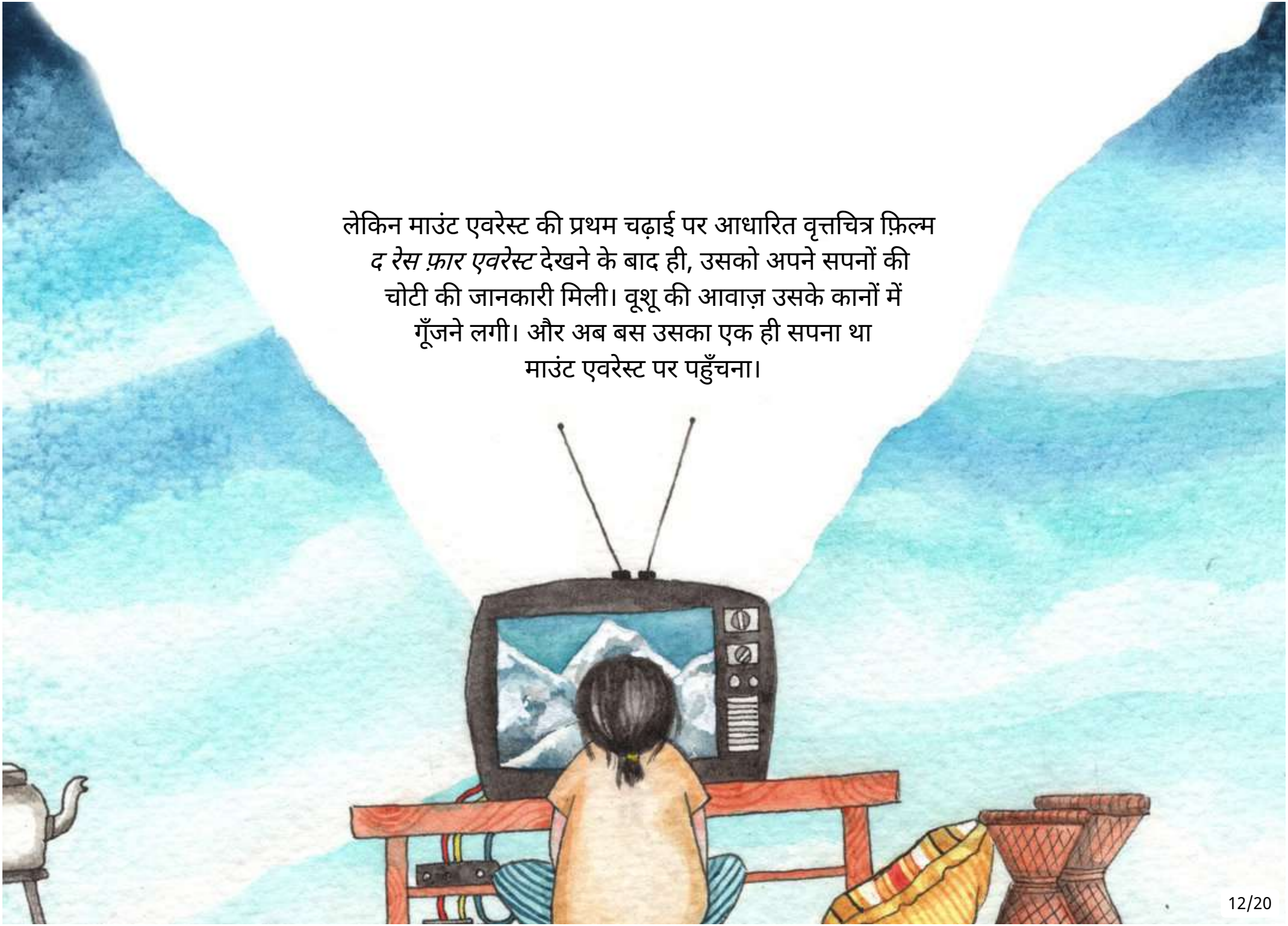

लेकिन माउंट एवरेस्ट की प्रथम चढ़ाई पर आधारित वृत्तचित्र फ़िल्म
द रेस फ़ार एवरेस्ट देखने के बाद ही, उसको अपने सपनों की
चोटी की जानकारी मिली। वूशू की आवाज़ उसके कानों में
गूँजने लगी। और अब बस उसका एक ही सपना था
माउंट एवरेस्ट पर पहुँचना।

आख़िरकार २०११ में टीने नेपाल के लिए निकली। वह चिंतित थी लेकिन उससे भी ज़्यादा दृढ़ प्रतिज्ञ थी। एवरेस्ट आधार शिविर में सर्दी बहुत थी, हवा पतली थी और ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम था। एक महीने के प्रशिक्षण के बाद उन्होंने चेरिंग शेरपा* के साथ चढ़ना शुरू किया।

पूरी चढ़ाई चार हिस्सों में होनी थी ताकि पवर्तारोही अलग-अलग शिविर बिंदु पर सुस्ता कर ऊपर की तरफ कुछ दिनों तक चल सकें। लेकिन जब तक, टीने और चेरिंग शेरपा पहले शिविर को पार करके दूसरे तक पहुँचे, मौसम ख़राब होना शुरू हो गया था।

*शेरपा एक तिब्बती जातीय समूह है जो उच्च हिमालयी क्षेत्रों में रहते हैं और
अपने उत्कृष्ट चढ़ाई कौशल के लिए जाने जाते हैं।

लेकिन वूशू की सुरीली आवाज़ और तेज़ होती जा रही थी।

चेरिंग ने पूछा, “आप आगे जाना चाहेंगी?” हाँ चाहती हूँ।”

टीने ने जवाब दिया, “मुझे नहीं लगता कि मुझे यह मौका दोबारा कभी मिलेगा।”

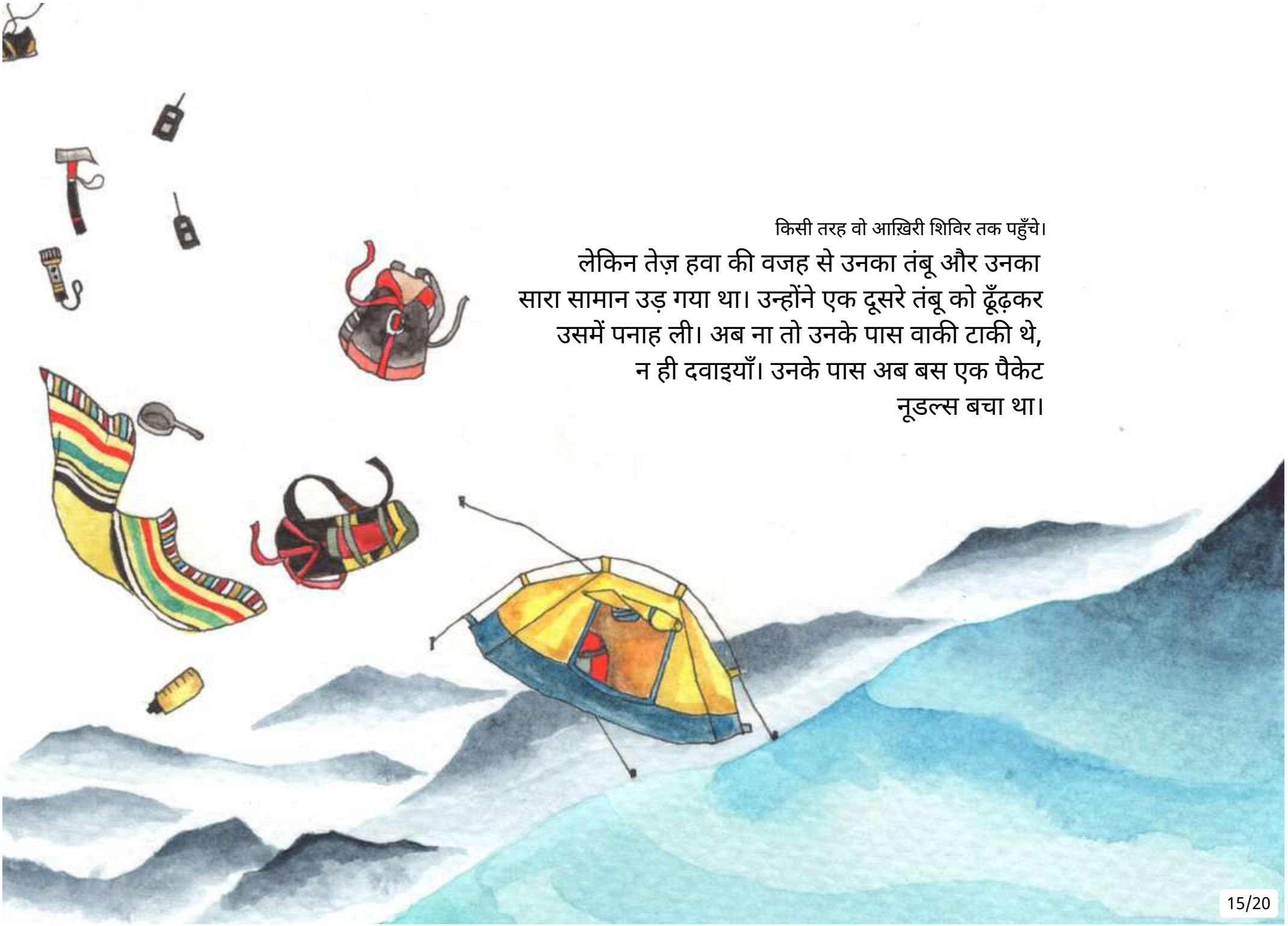

किसी तरह वो आख़िरी शिविर तक पहुँचे।
लेकिन तेज़ हवा की वजह से उनका तंबू और उनका सारा सामान उड़ गया था। उन्होंने एक दूसरे तंबू को ढूँढ़कर उसमें पनाह ली। अब ना तो उनके पास वाकी टाकी थे, न ही दवाइयाँ। उनके पास अब बस एक पैकेट नूडल्स बचा था।

चेरिंग ने सुझाव दिया “इसमें से आधा खोलते हैं।”

टीने ने मुस्कुराते हुए कहा, “हाँ, अगर पहुँच गये तो बाक़ी बचा हुआ हिस्सा तब खायेंगे।”

हवा बहुत ज़्यादा तेज़ थी। हर क़दम पर आगे बढ़ते हुए एक क़दम
पीछे धकेलते हुए बर्फ़ीला तूफ़ान जैसे ज़ोर से कह रहा था
वापिस जाओ लेकिन टीने के कानों में
बस एक आवाज़ गूँज रही थी
वूशू।

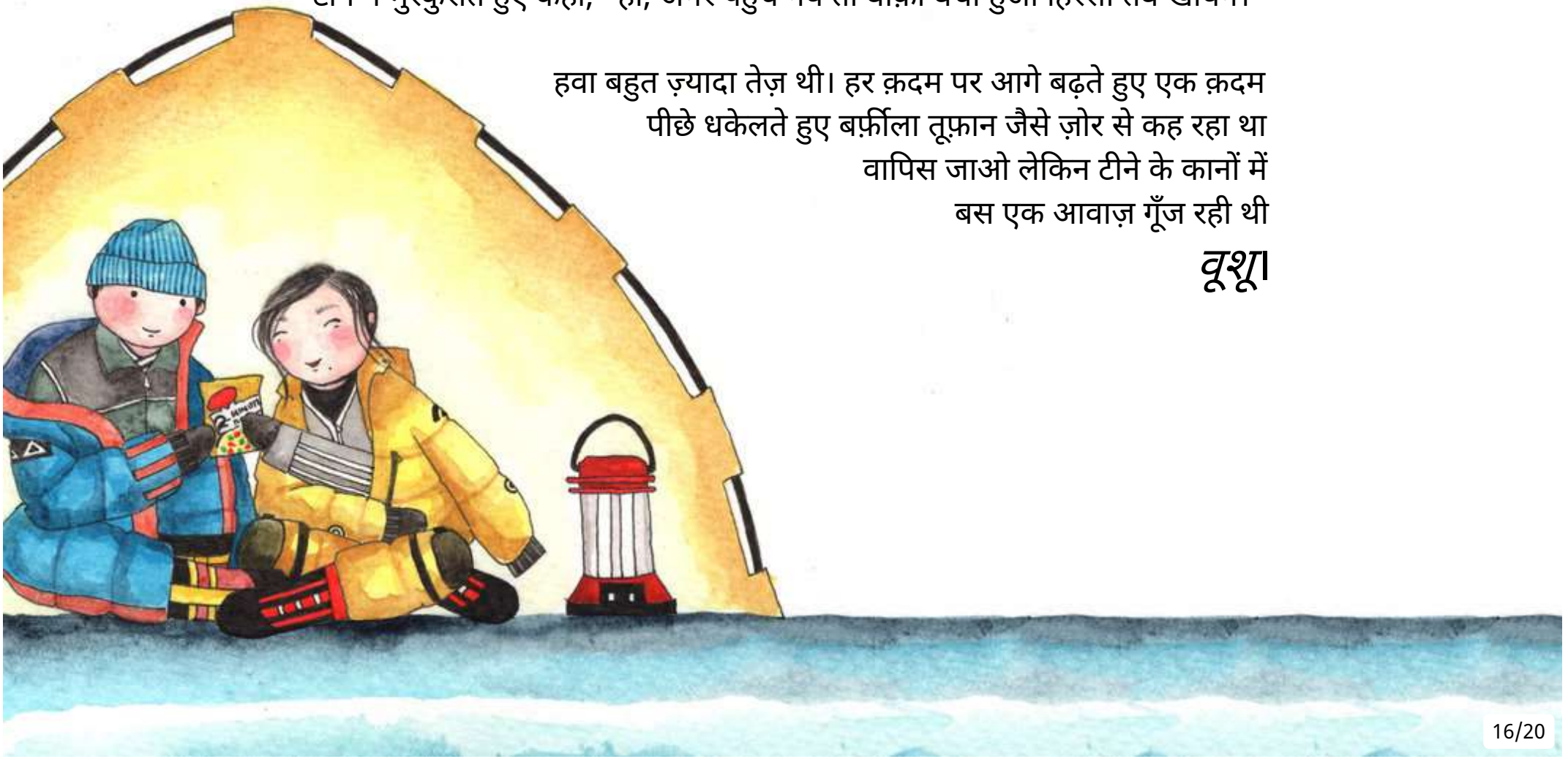

आख़िरी शिविर से उन्होंने पूरी हिम्मत और आशा के साथ ऊपर तक पहुँचने की यात्रा शुरू की।

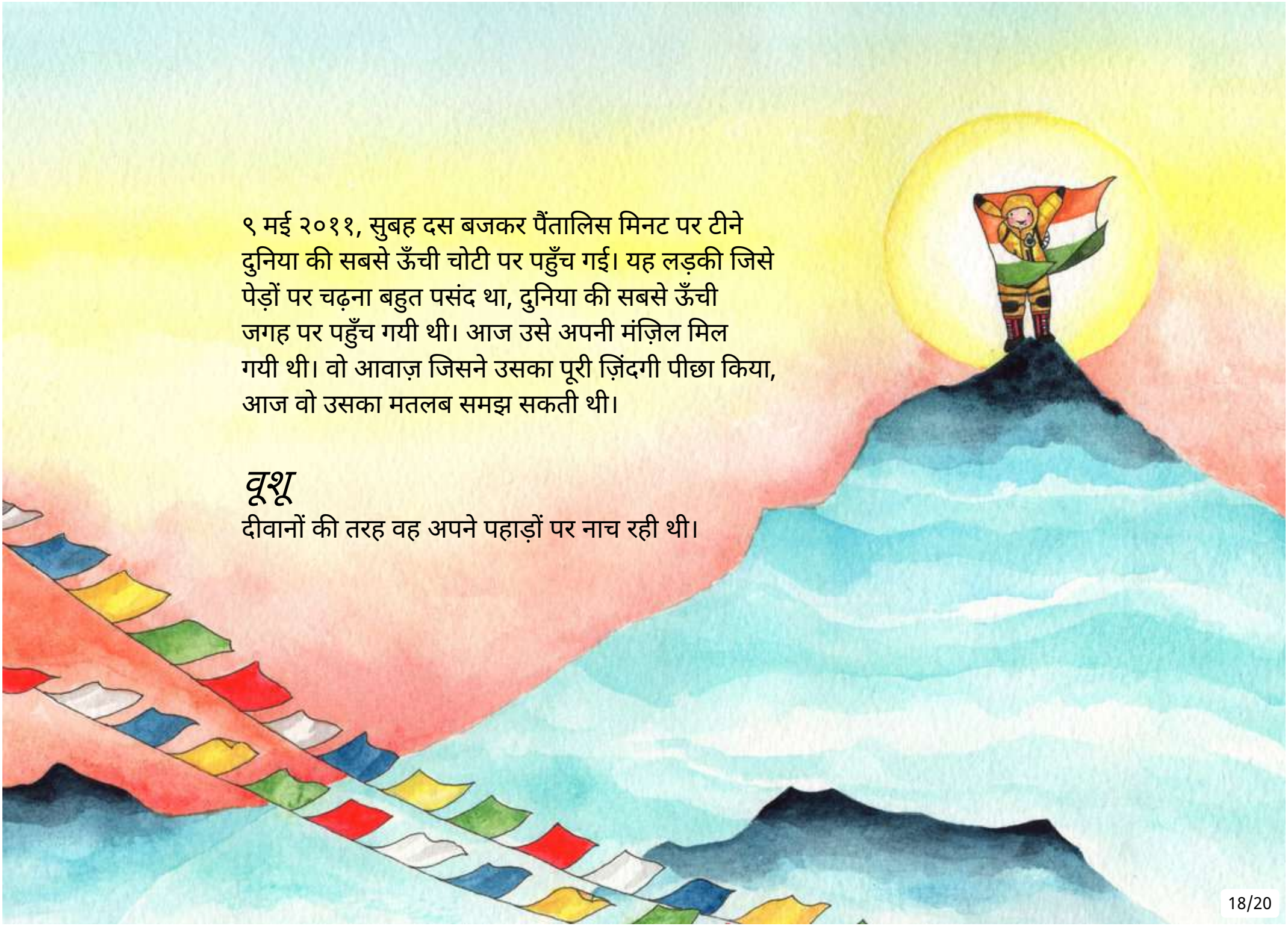

९ मई २०११, सुबह दस बजकर पैंतालिस मिनट पर टीने दुनिया की सबसे ऊँची चोटी पर पहुँच गई। यह लड़की जिसे पेड़ों पर चढ़ना बहुत पसंद था, दुनिया की सबसे ऊँची जगह पर पहुँच गयी थी। आज उसे अपनी मंज़िल मिल गयी थी। वो आवाज़ जिसने उसका पूरी ज़िंदगी पीछा किया, आज वो उसका मतलब समझ सकती थी।

वूशू

दीवानों की तरह वह अपने पहाड़ों पर नाच रही थी।

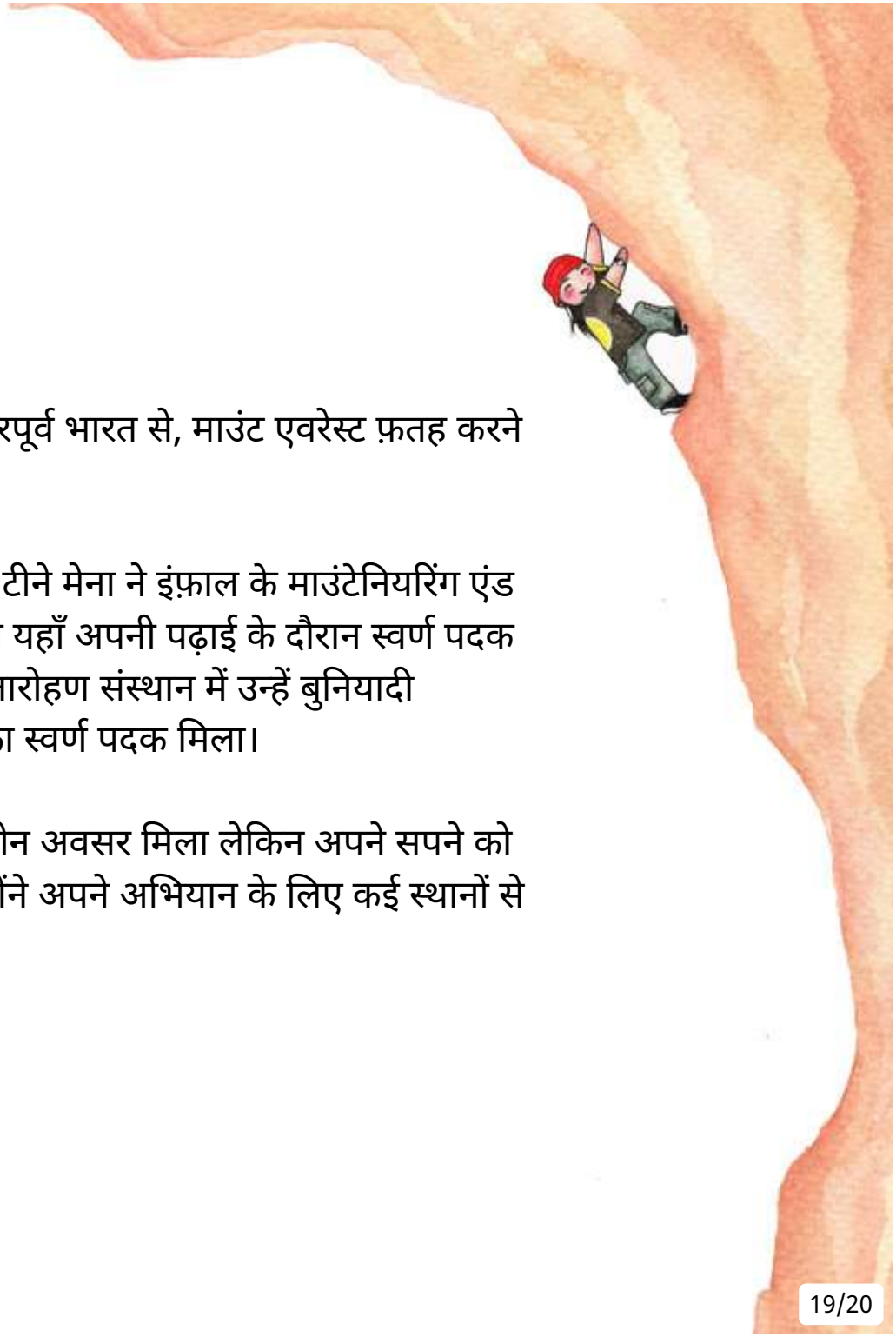

टीने मेना, एक पर्वतारोही

टीने मेना एक साहसी पर्वतारोही हैं जिन्होंने उत्तरपूर्व भारत से, माउंट एवरेस्ट फ़तह करने वाली पहली महिला का ख़िताब हासिल किया।

डॉ रोमियो मेईटी के सुझाव पर अमल करते हुए टीने मेना ने इंफ़ाल के माउंटेनियरिंग एंड ट्रैकिंग एसोसिएशन में दाख़िला ले लिया। उन्होंने यहाँ अपनी पढ़ाई के दौरान स्वर्ण पदक जीता और साथ ही दार्जलिंग के हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान में उन्हें बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के दौरान सर्वश्रेष्ठ छात्र का स्वर्ण पदक मिला।

उन्हें पर्वतारोहण प्रशिक्षक की नौकरी का बेहतरीन अवसर मिला लेकिन अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने उसे ठुकरा दिया। उन्होंने अपने अभियान के लिए कई स्थानों से धनराशि का इंतज़ाम किया।

टीने ने उत्तरपूर्वी श्रेत्र में कई लोगों को प्रेरित किया जैसे कि उनकी बहन रूबी लोम्बो जो राष्ट्रीय स्तर पर कई जीत हासिल करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर के साइकिलिंग एथलीट बनने की तैयारी में है। कई साहसी बच्चों के लिए टीने आज भी एक प्रेरणास्रोत हैं।

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: टीने और दूर बसे पर्वत is translated by Poonam S. Kudesia . The © for this translation lies with Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Tine and the Faraway Mountain', by Shikha Tripathi . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Tine aur Door Base Parvat' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. www.prathambooks.org. Guest Art Director: Maithili Doshi

Images Attributions:

Cover page: A girl admiring nature, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl standing with stones in hand, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Men standing on each other's heads, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl looking at the mountains, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Mountain surrounded by water, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Two girls playing near the river, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A town called Roing, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl standing on a big pile of books, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Girl working as a mountain porter, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Indian soldiers angry with a child, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Girl training and climbing, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Girl watching TV, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Girl walking with a Yak, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Girl and boy listening to the radio, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Objects flying away in the wind, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Boy and girl sitting in their tent, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Girl and boy scaling the mountain, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Tine on top of the Everest, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Girl hanging from the cliff, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: Girl walking towards the mountains, by Ogin Nayam © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

टीने और दूर बसे पर्वत

(Hindi)

वूशू! वूशू! इचाली के पर्वतीय प्रदेश में टीने को यही आवाज़ सुनाई देती थी। ये पर्वत उसे बुला रहे थे। जैसे-जैसे वह बड़ी होती है टीने अपने प्यारे पर्वतों के और क़रीब जाने का सपना देखने लगती है। पर क्या वह दुनिया के सबसे ऊँचे पर्वत पर पहुँच पाएगी? अरुणाचल प्रदेश की पर्वतारोही के जीवन पर आधारित इस पुस्तक में, सपनों और आत्मविश्वास की शक्ति का वर्णन किया गया है।

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at https://www.freekidsbooks.org
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?

https://www.freekidsbooks.org

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: https://www.freekidsbooks.org/about

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.
This page is added for identification.